New Variety of Bidi Tobacco

2038. SHRI YERRA NARAYANA SWAMY: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether CTRI, Rajamundry has developed any new varieties of bidi tobacco for use in Andhra Pradesh;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether CTRI, Rajamundry is actively liaisoning with tobacco farmers growing bidi tobacco; and

(d) if so, the details thereof;

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MOHD. AYUB KHAN): (a) No, Sir.

(b) Question docs not arise.

(c) No, Sir.

(d) Question docs not arise.

कृषि क्षेत्र में आर्थिक सुधारों के संबंध में विश्व बैंक के सुझाव

2039. **चौधरी हरमोहन सिंह**:

श्री नागमणि :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क)क्या विश्व बैंक ने यह सुझाव दिया हैं कि कृषि क्षेत्र में आर्थिक सुधारों को क्रियान्वित किया जाना चाहिए।

(ख)यदि हां, तो क्या आर्थिक सुधारों सससे अब तक निर्धन व्यक्तियों को लाभ नही हुआ हैं;

(ग)यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ)क्या विशेषज्ञों ने इस तथ्य की ओर ध्यान दिलाया हैं कि निर्धनता उन्मूलन के लिए उत्पादन में वृद्धि करनी होगी; और

(ड.)यदि हां, तो इस संबंध में क्या ठोस कदम उठाये जाने का प्रस्ताव हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (अ) जी हां। विश्व बैंक ने निजी क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए भारत को कृषि संरवचनात्मे संबंधी समायोजन का सुझाव दिया हैं,

सरचानात्मक समायोजन के लिए सुझावों में शामिल हैंः-

(i)घरेलू कृषि बाजार का उदारीकरण।

(ii)कृषि व सीमा शुल्क सुधारों का विश्वव्यापीकरण।

(iii)सार्वजनिक व्यय की समीक्षा करना व इसके लिए पुनः सही माध्यम बनाना।

(iv)आदान संबंधी राज-सहायता की समीक्षा व इसे चरणबद्ध बखनाना।

(v)ग्रामीण ऋण संरचना का पुनर्गठन तथा युक्तिकरण।

(ख) और (ग) अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों में आर्थिक सुधारों की तर्ज पर कृषि क्षेत्र को शामिल करने के लिए संरचनात्मक समायोजन का सुझाव दिया गया हैं। यह गरीबी कम करने के कार्यकमों पर किए गये किससी अध्ययन की वजह से नहीं हैं।

(घ) और (ड.) गरीबी कम क रने के लिए वृद्धित उत्पादन मुख्य नीतियो में से एक हैं और इस संबंध में कई योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। मुख्य योजनाओं में शामिल हैंः-

(i)बीज और उर्वरक जैसे आदानो का वृद्धित प्रयोग।

(ii)किसानों के लिए ऋण तक पहुंच के मार्ग को बढ़ावा।

(iii)मुद्रा संरक्षण तथा सिंचाई योजनाओं पर जोर।

(iv)समेकित कीट प्रबन्धन पर जोर।

(v)फार्म विकास से समबद्ध अनुसंधान व शिक्षा पर जोर।

(vi)कृषि उत्पादन के लिए ढांचागत विकास तथा अन्य संयोजन।